सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-519
21/11/2018

दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान का सदुपयोग होगा और इसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी :– मुख्यमंत्री

पटना, 22 नवम्बर 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने वेटनरी कॉलेज ग्राउंड के पश्चिम स्थित दशरथ मांझी श्रम नियोजन एवं अध्ययन संस्थान के नवनिर्मित भवन का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रम संसाधन विभाग एवं भवन निर्माण विभाग को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि स्व0 दशरथ मांझी के नाम पर निर्मित इस सुंदर भवन का उद्घाटन आज किया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में सरकार में आने के बाद से हमलोगों ने श्रमिकों के लिए कई कार्य किये हैं। बिहार के श्रमिक राज्य के बाहर देश के अन्य हिस्सों में एवं विदेशों में भी बड़ी संख्या में कार्य करने जाते हैं। भूटान में बड़ी संख्या में लोग काम करने जाते हैं, मारीशस की 51 प्रतिशत आबादी बिहारी मूल की है। राज्य में विकेंद्रीकृत तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे यहां के लोगों की आमदनी बढ़ी है और बाहर जाने वाले श्रमिकों की संख्या घटी है। राज्य में बड़े उद्योग नहीं लगने के बावजूद बिहार 10 प्रतिशत से ज्यादा के विकास दर से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा कि पूर्व वक्ताओं ने कहा कि आज का दिन महत्वपूर्ण है। यह बात सही है लेकिन हर दिन हर पल महत्वपूर्ण होता है। हर क्षण जो अवसर मिला है उसका सदुपयोग करना चाहिए। श्रमिकों के बिना कोई काम संभव नहीं है। श्रमिकों की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि 11 लाख श्रमिकों के निबंधन की बात बतायी गई है लेकिन इसकी संख्या और अधिक होगी। अधिक से अधिक श्रमिकों का निबंधन कराया जाना चाहिए ताकि उनके लिए चलने वाली योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों का कौशल विकास कर उन्हें हुनरमंद बनाने से उनकी कार्य क्षमता के साथ–साथ आमदनी भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन संस्थान का चाणक्या विधि विश्वविद्यालय के साथ एवं वी0वी0 गिरी राष्ट्रीय श्रमिक संस्थान के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है। इन संस्थानों से श्रमिकों को कानून की जानकारी मिलेगी और कानून के पालन में उन्हें आसानी होगी। लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोगों में कानून की समझ होनी चाहिए और कानून का पालन करने के लिए जागरुक भी होना चाहिए। वी0वी0गिरी साहब बहुत बड़े मजदूर के नेता थे। उन्होंने कहा कि यह संस्थान स्व0 दशरथ मांझी के नाम पर बनाया गया है। स्व0 दशरथ मांझी ने अपनी इच्छा शक्ति एवं मेहनत से पहाड़ खोदकर रास्ते का निर्माण किया था। स्व0 दशरथ मांझी के नाम पर सड़क बनायी गयी एवं उनकी गांव में मूर्ति भी लगायी गई है। मुख्यमंत्री के जनता दरबार के कार्यक्रम में वे हमसे मिले थे और हमने सांकेतिक तौर पर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाया था। हमलोग गरीब गुरबा के लिए हमेशा काम करते हैं, उन्हें याद करते हैं। हर व्यक्ति में काफी क्षमता होती है। किसके दिमाग में कौन सा आइडिया आ जाए जिसके प्रति संकल्पित होकर वह कुछ ऐसा कर जाए कि समाज के लिए उपयोगी हो जाए। श्रमिकों के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए इस संस्थान का नामकरण किया गया है। स्व0 दशरथ मांझी से लोग प्रेरित होते रहेंगे और लोगों के मन में आदर का भाव बना रहेगा। जैसी जानकारी मिली है कि स्व0 दशरथ मांझी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 इंदिरा गांधी से मिलने के लिए रेलवे लाइन के बगल से चलते

हुए दिल्ली तक की पदयात्रा की थी। यह सोचने वाली बात है कि एक श्रमिक इतनी दृढ़ इच्छाशक्ति वाला व्यक्ति हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पुत्र श्री भागीरथ मांझी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से श्रम संसाधन विभाग को फंड दिया गया है ताकि जरुरत पड़ने पर श्रमिकों की सहायता की जा सके। श्रमिकों की बुनियादी चीजों के बारे में आकलन कराने की जरुरत है। आज निबंधित श्रमिकों के लिए वार्षिक चिकित्सा सहायता योजना की शुरुआत की गई है। इससे श्रमिकों की चिकित्सा में सहायता के लिए उनके खाते में राशि का हस्तांतरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें बिहार के 19 लोगों में से 11 लोगों को पुरस्कृत किया गया है। ये लोग अब एशिया स्तर के एवं बाद में विश्व स्तर के कौशल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। मेरी पूरी शुभकामना है कि ये विजयी होंगे और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 तक एक करोड़ लोगों को हुनरमंद बनाने का लक्ष्य हमलोगों ने निर्धारित किया है। हमलोगों ने सात निश्चय योजना के अंतर्गत कुशल युवा कार्यक्रम चलाया है जिसमें संवाद कौशल, कंप्यूटर का ज्ञान एवं व्यवहार कौशल की जानकारी दी जाती है। अभी तक 4 लाख से ज्यादा युवा कुशल युवा कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि व्यवहार कौशल का प्रशिक्षण पढ़े लिखे लोगों के लिए भी बहुत जरुरी है। लोगों का व्यवहार अगर कुशल हो तो समाज में प्रेम का माहौल बना रहता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं के लिए हुनर कार्यक्रम चलाया गया है जिससे महिलाओं की कार्य क्षमता बढ़ी है और शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में वह कई कार्य जैसे ब्यूटी पार्लर, चापाकल मरम्मत जैसे काम करते हुए अपनी आमदनी बढ़ा रही हैं। इस कार्यक्रम को बाद में राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनाया गया। हमलोगों ने एस0सी0/एस0टी0/अतिपिछड़े लोगों के लिए भी इस कार्यक्रम का विस्तार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के कुशल युवा कार्यक्रम का भी क्रियान्वयन ठीक ढंग से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रम संसाधन विभाग श्रमिकों को इस बात के लिए प्रेरित करे कि अपने बच्चों को शिक्षित करें। जब हम सरकार में आए थे तो उस समय साढ़े बारह प्रतिशत बच्चे स्कूलों से बाहर थे जिनमें से अधिकतर अल्पसंख्यक एवं महादलित समाज के थे। हमलोगों ने टोला सेवक एवं तालिमी मरकज की बहाली कर बच्चों को स्कूलों तक पहुंचाया और अब एक प्रतिशत से भी कम बच्चे भी स्कूलों से बाहर हैं। तालिमी मरकज और टोला सेवकों का उपयोग एस0सी0/एस0टी0/अतिपिछड़ा एवं महिलाओं में साक्षरता के लिए किया जा रहा है। छात्रवृति योजना, पोशाक योजना चलाकर बच्चों को शिक्षित करने के लिए उत्साहित किया जा रहा है। श्रम संसाधन विभाग श्रमिकों के तकनीकी ज्ञान, न्याय संबंधी जानकारी एवं बेहतर कुशलता के लिए इस संस्थान का सदुपयोग जानकारी उपलब्ध कराने के साथ–साथ सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्यों के प्रति भी करे। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के बारे में जानकारी श्रमिकों को दी जानी चाहिए। कम उम्र में गर्भधारण करने से महिलाएं मौत की शिकार होती हैं साथ ही जन्म लेने वाले बच्चे बौनेपन एवं कई अन्य बीमारियों के शिकार होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी लागू होने से गरीब गुरबा लोगों को सबसे ज्यादा इसका फायदा मिला है। अपनी गाढ़ी कमायी का ज्यादा पैसा शराब पीने में वे गंवा देते थे। शराबबंदी के बाद अब वे अपनी गाढ़ी कमायी का सदुपयोग बेहतर जीवनशैली के लिए कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब की चुलायी के काम में जो लोग जुड़े हुए थे उनके वैकल्पिक रोजगार के लिए सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत 60 हजार से 1 लाख रुपए तक की सहायता दी जा रही है। उन्हें सात माह तक 1000 रुपया प्रतिमाह की दर से कार्य शुरु करने के लिए सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रम संगठन के लोग यहां बैठे हुए

हैं। वे श्रमिकों से संबंधित समस्याओं को जानें एवं उसके समाधान के रास्ते बतायें। स्वास्थ्य के प्रति भी श्रमिकों में जागरुकता फैलाने की जरुरत है। शौचालय का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रेरित करें। अगर पीने का शुद्ध पानी और अगर खुले में शौच से मुक्ति मिल जाए तो 90 प्रतिशत बीमारियों से छुटकारा मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में कई अच्छी–अच्छी बिल्डिंग बन रही हैं। सरदार पटेल भवन 9 रिक्टर पैमाने वाले भूकंप की क्षमता को बर्दाश्त कर सकता है और 12 दिन तक यहां इमरजेंसी में रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि स्व0 दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान का यथाशीघ्र सदुपयोग होगा और इसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत पौधा एवं पुस्तक भेंटकर किया गया। दशरथ मांझी श्रम नियोजन एवं अध्ययन संस्थान में स्व0 दशरथ मांझी की प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री ने किया। मुख्यमंत्री ने स्व0 दशरथ मांझी के पुत्र श्री भागीरथ मांझी का स्वागत माला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया। श्रम संसाधन विभाग के साथ चाणक्या विधि विश्वविद्यालय एवं वी0वी0 गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान के बीच समझौता पत्र का हस्तांतरण मुख्यमंत्री के समक्ष किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास प्रतियोगिता के विजयी श्री राहुल कुमार को नार्सी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा प्रदत इक्युपमेंट प्रदान किया गया। जापान के आई0आई0टी0पी0 एवं राष्ट्रीय विकास निगम के बीच समझौता किया गया ताकि बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित बच्चों को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री के द्वारा दिया गया। राष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास प्रतियोगिता के तहत गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल, मेडल ऑफ एक्सेलेंसी भी मुख्यमंत्री के द्वारा विजयी छात्रों को दिया गया। इस मौके पर 11 लाख निबंधित श्रमिकों के लिए वार्षिक चिकित्सा सहायता योजना का भी मुख्यमंत्री ने माउस के जरिए शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, श्रम संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, भवन निर्माण मंत्री श्री महेश्वर हजारी, चाणक्या विधि वि0वि0 की कुलपति पूर्व न्यायधीश श्रीमती मृदुला मिश्रा, वी0वी0 गिरि राष्ट्रीय श्रमिक संस्थान के महानिदेशक श्री एस0श्रीनिवास, श्रम संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर स्व. दशरथ मांझी के पुत्र श्री भागीरथ मांझी, वित्त विभाग के प्रधान सचिव श्री एस0सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती हरजोत कौर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पटना के जिलाधिकारी श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, अन्य वरीय पदाधिकारीगण सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******